

Padma Shri



SHRI MAHESH KUMAR KANODIA (POSTHUMOUS)

Shri Mahesh Kumar Kanodia was a renowned music director, film producer, playback singer, and stage music performer from Gujarat. He is the founder of 'Mahesh Kumar and Party' (Musical Party).

2. Born on 27th January, 1937, in the Mehsana district, in a Dalit, Vankar family, Shri Kanodia spent his childhood in struggle and poverty. At the age of seven, he started singing. In 1952, he debuted as a playback singer for the Hindi film 'Rajrani Damyanti' and in 1969, he commenced his career as a music director in the Gujarati film 'Veli ne aavya ful'. Since 1953, he has selflessly dedicated his life for art and music. In 1967, he started his journey as a producer for the film 'Vanzari Vaav'. His music party 'Mahesh Kumar and party' has entertained the people of India and abroad, having performed in more than 14,000 stage shows for 65 years.

3. Shri Kanodia has served as a music director and playback singer for more than 125 Gujarati films and more than 15 Hindi and other regional language films. He has given his voice to more than 1000 songs during his career. He has produced 7 Gujarati films and a Hindi film. He has made immense contributions to Gujarati folk music and has acted as an ambassador for Gujarati folk music at national and international stages.

4. Shri Kanodia raised donations through his performance for the Morbi Flood relief program in the Chief Minister Relief fund in 1979-80. Again, during the 2001-earthquakes, he provided the required aid and help at Kutch & Bhuj in Gujarat. He was elected as the Member of Parliament representing the Patan constituency and held the seat from 1991 to 2000. He was again elected from 2004 to 2009. He established the 'Aryogya dharn' hospital in his native place Kanoda, Distt. Mhesana, for the welfare of the poor and needy.

5. Shri Kanodia is a recipient of many international, national & state level awards and honors for his life dedicated to music and social activities. He has been conferred with the best music director award from the Gujarat state government in the year 1970-71, 1974-75, 1980-81, 1991-92, 1994-95, 1997-98, and 2002-03. Moreover, he has received the best playback singer award twice in 1974-75 and 1981-82. His film Jog Sanjog (1980-81) won the best film award of the year from the Gujarat state Government. He has been presented the special honor by the Film & Television Institute of Pune, by Giant International and by the Hind Seva Parishad of Mumbai. Internationally, he has been conferred multiple distinctions like the Ravindranath Tagore International Award for Culture and Music (2002) by the LAO 2002 international Year of Cultural Heritage and Eco-Tourism. Moreover, he has been distinguished by various social organizations in India and has also been awarded the Transmedia Life Time Achievement award from the Gujarati film industry.

6. Shri Kanodia passed away on 25th October, 2020.



श्री महेश कुमार कनोडिया (मरणोपरांत)

श्री महेश कुमार कनोडिया गुजरात के जाने-माने संगीत निर्देशक, फिल्म निर्माता, पार्श्व गायक और मंच संगीत कलाकार थे। वह 'महेश कुमार एंड पार्टी' (म्यूजिकल पार्टी) के संस्थापक हैं।

2. 27 जनवरी, 1937 को मेहसाणा जिले में एक दलित, वनकर परिवार में जन्मे श्री कनोडिया ने अपना बचपन संघर्ष और गरीबी में बिताया। सात वर्ष की उम्र से ही उन्होंने गाना शुरू कर दिया। 1952 में उन्होंने हिंदी फिल्म 'राजरानी दमयंती' के लिए पार्श्व गायक के रूप में शुरुआत की और 1969 में गुजराती फिल्म 'वेली ने आव्या फुल' में संगीत निर्देशक के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। 1953 के बाद से, उन्होंने निःस्वार्थ भाव से कला और संगीत के प्रति अपना जीवन समर्पित कर दिया। 1967 में उन्होंने फिल्म 'वंजारी वाव' के निर्माता के तौर पर अपनी यात्रा शुरू की। उनकी संगीत पार्टी 'महेश कुमार एंड पार्टी' ने 65 वर्ष तक 14,000 से अधिक स्टेज शो करके भारत और विदेश में लोगों का मनोरंजन किया है।

3. श्री कनोडिया ने 125 से अधिक गुजराती फिल्म और 15 से अधिक हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषा की फिल्म के लिए संगीत निर्देशक और पार्श्व गायक के रूप में कार्य किया है। उन्होंने अपने कला जीवन के दौरान 1000 से ज्यादा गीतों को अपनी आवाज दी है। उन्होंने 7 गुजराती फिल्म और एक हिंदी फिल्म का निर्माण किया है। उन्होंने गुजराती लोक संगीत में अपार योगदान दिया है और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुजराती लोक संगीत के अग्रदूत के रूप में काम किया है।

4. श्री कनोडिया ने 1979-80 में मोरबी बाढ़ राहत कार्यक्रम के लिए अपने प्रदर्शन के माध्यम से चंदा जुटाकर मुख्यमंत्री राहत कोष में योगदान दिया। 2001 के भूकंप के दौरान, एक बार फिर उन्होंने गुजरात के कच्छ और भुज में आवश्यक मदद प्रदान की। वह पाटन निर्वाचन क्षेत्र से सांसद चुने गए और 1991 से 2000 तक सांसद रहे। वह 2004 से 2009 तक फिर से चुने गए। उन्होंने अपने जन्म स्थली कानोड़ा, जिला मेहसाणा में गरीब और जरूरतमंद लोगों की भलाई के लिए 'आरोग्य धाम' अस्पताल की स्थापना की।

5. श्री कनोडिया को संगीत और सामाजिक गतिविधियों के प्रति समर्पित अपने जीवन के लिए कई अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पुरस्कार और सम्मान प्रदान किए गए हैं। उन्हें वर्ष 1970-71, 1974-75, 1980-81, 1991-92, 1994-95, 1997-98 और 2002-03 में गुजरात राज्य सरकार की ओर से सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक के पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। इसके अलावा, उन्होंने 1974-75 और 1981-82 में दो बार सर्वोत्तम पार्श्व गायक का पुरस्कार प्राप्त किया है। उनकी फिल्म 'जोग संजोग' (1980-81) ने गुजरात सरकार का सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार जीता। उन्हें फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट पुणे, जियांट इंटरनेशनल और मुंबई के हिंद सेवा परिषद द्वारा विशेष सम्मान प्रदान किया गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, उन्हें लाओ 2002 इंटरनेशनल ईयर ऑफ कल्चरल हेरिटेज एंड इको-टूरिज्म द्वारा रवींद्रनाथ टैगोर इंटरनेशनल अवार्ड फॉर कल्चर और म्यूजिक (2002) जैसे कई विशिष्ट पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इसके अलावा, उन्हें भारत में विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया है और गुजराती फिल्म उद्योग द्वारा ट्रांसमीडिया लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड भी प्रदान किया गया है।

6. 25 अक्टूबर, 2020 को श्री कनोडिया का देहावसान हो गया।

Padma Shri



SHRI NARESH KANODIA

Shri Naresh Kanodia, popularly known as the Millennium megastar of Gujarati film industry, was a renowned actor, music director, film producer, play back singer, stage music performer from Gujarat. His career of 51 years boasts more than 150 Gujarati films to his fame.

2. Born on 20th August, 1943 in a Dalit family at Ahmedabad, Shri Kanodia started his career as a street singer which led him to be an actor and subsequently a film star. Due to the poor socio-economic situations in the family, he along with his elder brother Shri Mahesh Kumar, used to work in musical parties and He joined the musical group 'Mahesh Kumar and Party' at a young age of ten years and performed more than 1400 shows worldwide.

3. Shri Kanodia has spread Gujarati folk music at both national and international platforms through 'Mahesh Kumar and party'. After an extensive period of struggle, in 1969, he got the opportunity to contribute as a music director with the producer-director Chandrkant Sangani for the film “Veli ne avya ful” and also debuted as an actor in this film. In 1976, he started serving as a film producer under the production house of 'Mahesh Kumar and Party' for their first film 'Vanzari vaav'. He has served as the ambassador for Gujarati folk music. Since 1970 he along with Shri Mahesh Kanodia, has served as music director for more than 125 Gujarati films and 15 Hindi films.

4. Shri Kanodia has contributed to various social aids and has led actions for good cause. He has raised donations through his stage shows and performances for the Morbi Flood relief program in the Chief Minister Relief fund. Again, during the 2001 earthquakes, he provided the required aid and help at Kutch & Bhuj in Gujarat. He won the 2002 election from the Karjan seat and accordingly served the society as a member of the Gujarat Legislative Assembly.

5. Shri Kanodia has been honored with various awards for his outstanding performance in the film industry and his dedicated work for spreading the Gujarati folk music. He has been honored by the President of India, the Dadasaheb Falke Academy, and the Gujarat State Government. He has been conferred with the best music director award from the Government of Gujarat in the year 1970-71, 1974-75, 1980-81, 1991-92, 1994-95, 1997-98, and 2002-03. His film Jog Sanjog (1980-81) won the best film award of the year from the Gujarat state government. Moreover, he has received the best actor award twice in 1980-81 and 1987-88. He has been distinguished by the United World Book of Records for being part of the most silver jubilee Gujarati films as a lead actor. He has also been awarded the Transmedia Life Time Achievement Award by the Gujarati film industry.

6. Shri Kanodia passed away on 27th October, 2020.



श्री नरेश कनोडिया (मरणोपरांत)

श्री नरेश कनोडिया, गुजराती फिल्म उद्योग के मिलेनियम मेगास्टार के नाम से विख्यात थे और गुजरात के जाने-माने अभिनेता, संगीत निर्देशक, फिल्म निर्माता, प्ले बैक सिंगर, मंच संगीत कलाकार रहे हैं। उन्होंने, अपनी 51 वर्षों की फिल्म यात्रा में, 150 से ज्यादा गुजराती फिल्मों में काम किया।

2. अहमदाबाद में एक दलित परिवार में 20 अगस्त, 1943 को जन्मे, श्री कनोडिया ने अपने करियर की शुरुआत एक स्ट्रीट सिंगर के रूप में की थी। उसके बाद वह अभिनेता और बाद में फिल्म स्टार बन गए। परिवार की खराब सामाजिक-आर्थिक हालात के कारण वह अपने बड़े भाई श्री महेश कुमार के साथ संगीत पार्टियों में काम करते थे। वह दस वर्ष की अल्पायु में म्यूजिकल ग्रुप 'महेश कुमार एंड पार्टी' से जुड़ गए और दुनिया भर में 1400 से अधिक शो किए।

3. श्री कनोडिया ने 'महेश कुमार एंड पार्टी' के माध्यम से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों मंचों पर गुजराती लोक संगीत का प्रचार-प्रसार किया है। संघर्ष के लम्बे दौर के बाद, 1969 में उन्हें निर्माता-निर्देशक चंद्रकांत संगानी के साथ फिल्म 'वेली ने अव्यफुल' के लिए संगीत निर्देशक के रूप में मौका मिला और इस फिल्म में अभिनेता के रूप में भी उनकी शुरुआत हुई। वर्ष 1976 में उन्होंने अपनी पहली फिल्म 'वंजारी वाव' के लिए 'महेश कुमार एंड पार्टी' के प्रोडक्शन हाउस के तहत फिल्म निर्माता के रूप में काम करना शुरू किया। उन्होंने गुजराती लोक संगीत के अम्बेस्डर के रूप में कार्य किया है। 1970 के बाद से उन्होंने श्री महेश कनोडिया के साथ मिलकर 125 से अधिक गुजराती फिल्मों और 15 हिंदी फिल्मों के लिए संगीत निर्देशक के रूप में कार्य किया है।

4. श्री कनोडिया ने विभिन्न सामाजिक कार्यों में योगदान दिया है और परोपकारी अभियान चलाए हैं। उन्होंने मोरबी बाढ़ राहत कार्यक्रम के लिए अपने स्टेज शो और प्रदर्शन के माध्यम से मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए चंदा जुटाया है। फिर, 2001 के भूकंप के दौरान, उन्होंने गुजरात के कच्छ और भुज में आवश्यक मदद और सहायता प्रदान की। उन्होंने कर्जन सीट से 2002 का चुनाव जीता और गुजरात विधान सभा के सदस्य के रूप में समाज की सेवा की।

5. श्री कनोडिया को फिल्म उद्योग में उत्कृष्ट प्रदर्शन और गुजराती लोक संगीत के प्रसार के प्रति उनके समर्पित कार्यों के लिए अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। उन्हें भारत के राष्ट्रपति, दादासाहेब फाल्के अकादमी और गुजरात राज्य सरकार द्वारा सम्मानित किया गया है। उन्हें वर्ष 1970-71, 1974-75, 1980-81, 1991-92, 1994-95, 1997-98 और 2002-03 में गुजरात सरकार की ओर से सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशक के पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। उनकी फिल्म 'जोग संजोग' (1980-81) को गुजरात राज्य सरकार की ओर से वर्ष की सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिला। इसके अलावा, उन्हें 1980-81 और 1987-88 में दो बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार प्रदान किया गया है। उन्हें एक मुख्य अभिनेता के तौर पर सबसे अधिक सिल्वर जुबली गुजराती फिल्मों का हिस्सा बनने के लिए यूनाइटेड वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स द्वारा सम्मानित किया गया है। उन्हें गुजराती फिल्म इंडस्ट्री द्वारा ट्रांसमीडिया लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड भी प्रदान किया गया है।

6. श्री कनोडिया का 27 अक्टूबर, 2020 को देहावसान हो गया।